सारगर्भित अंक

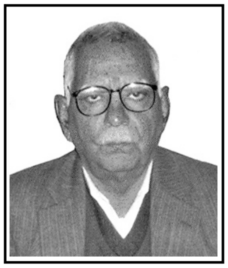
डॉ. बदरीनाथ कपूर

'मीडिया मीमांसा' का 2009 का जनवरी-मार्च अंक देखा-पढ़ा। विभिन्न प्रवृत्तियों तथा पक्षों पर विभिन्न विद्वानों ने अपने-अपने दृष्टिकोणों को प्रस्तुत किया है। पाँच राज्यों में विधान सभाओं के चुनावों के संबंध में अवधेश कुमार का निष्कर्ष युक्तियुक्त ही है कि पिछली सरकारों के मुखिया की कार्यशैली मतदाताओं की मुख्य कसौटी थी। संचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सच्चिदानंद जोशी ने कहा है कि संचार माध्यमों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है सामाजिक मूल्यों को अक्षुण्ण और शाश्वत बनाए रखना। भारत संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा की नीतियों तथा विवशताओं की चर्चा जवाहरलाल कौल ने विस्तार से की है तथा वर्तमान और निवर्तमान राष्ट्रपतियों की चारित्रिक विशेषाताओं की तुलना करते हुए ठीक ही कहा कि बुश दबंग, गर्वीले और अहंकारी थे जब कि ओबामा नम्रता, शालीनता, और बेबाक संवाद के लिए जाने जाते हैं। महादेवी वर्मा की शिक्षा के संबंध में की गई टिप्पणी भी अत्यंत महत्वपूर्ण तथा सुचिंतित है। मीडिया की समस्याएं, पत्रकारों की नैतिकता, पराड़कर युग और आज की पत्रकारिता आदि अन्य लेख भी अत्यंत सारगर्भित हैं तथा वस्तुस्थिति के परिचायक है। सुंदर विषय-सामग्री के संकलन, संपादन तथा साज-सज्जा के लिए के संपादकीय टीम को साधुवाद। आशा है आगामी अंकों में हमें ऐसी ही मूल्य-आधारित तथा विचारोत्तक सामग्री पढ़ने के लिए निरंतर प्राप्त होगी।

डॉ. बदरीनाथ कपूर, कोशकार
47, लाजपत नगर, वाराणसी

सराहनीय कलेवर

मीडिया मीमांसा के अंक प्राप्त हुए। धन्यवाद! पत्रिका की विषय-वस्तु और पूरा कलेवर सराहनीय है। मीडिया के संवेदनशील पाठकों के लिए भी यह पत्रिका संदर्भ योग्य है।

डॉ. विशेष गुप्ता
रीडर, समाजशास्त्र विभाग
एमएच (पीजी) कालेज, मुरादाबाद

मन प्रफुल्लित हो उठा

'मीडिया मीमांसा' का जनवरी-मार्च, 2009 का अंक प्राप्त हुआ। 'कवर पृष्ठ' देखकर मन प्रफुल्लित हो उठा। समसामयिक घटनाक्रमों का पूरा निचोड़ इसके माध्यम से आपने दिखाने का प्रयास किया, जो निश्चित रूप से सराहनीय है। जहाँ तक अंतर्वस्तु (कंटेन्ट) की बात है इस अंक में आपने मीडिया की सभी विधाओं को संकलित एवं विश्लेषित करने का प्रयास किया है। निश्चित रूप से पत्रकारिता के विद्यार्थी इस अंक से प्रभावित होंगे। सुझाव के तौर पर विद्यार्थियों द्वारा किए गए शोध एवं प्रयासों को भी अगले अंक में देने का कष्ट करें, जिससे इस पत्रिका की उपयोगिता बढ़ जाएगी।

नीरज खत्री, प्रवक्ता
स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मॉस कॅम्यूनिकेशन, आई.एम.एस. नोएडा, उ.प्र.

अद्भुत प्रयास

मीडिया मीमांसा के अंक लगातार प्राप्त हो रहे हैं - साधुवाद! बढ़िया कलेवर, सुंदर छपाई, बढ़िया से बढ़िया आलेखों के साथ मीडिया मीमांसा लगातार शिखर पर पहुँच रही है। इसी तरह के प्रयास से पत्रिका नई ऊँचाईयों को छुयेगी ऐसा मेरा विश्वास है।

दिनेश तिवारी
अशोका गार्डन, भोपाल

SERVING A VERY USEFUL PURPOSE

There is no doubt that the journal **Media Meemansa** is serving a very useful purpose. It is not only a vehicle for the transmission of knowledge but also an instrument for demonstrating canons of good journalism. There are some well defined precepts that should govern the field of journalism. I had attempted to follow some of them in my article in the journal (Jan.-Mar.2009 issue).

The contributions in the **Media Meemansa** are of a very high order and I am sure that the alumni of the University, past and present, will continue to benefit from it.

Sanjoy Bagchi
(A well-known economic analyst)

EXCELLENT GET-UP

Media Meemansa has impressed me. It is quite informative. The articles are good. The get-up is excellent.

K.R. Sudhaman
Editor Incharge
Press Trust of India, Mumbai